दिल्ली पुलिस समाचार

अंक 93 जून-जुलाई 2013 पंजी० सं० आर-43037/85 दिल्ली पुलिस की घरेलू पत्रिका



दिल्ली पुलिस के 19वें नए मुखिया श्री भीम सैन बस्सी

पुलिस परिवार के नए मुखिया
श्री भीम सैन बस्सी



दिल्ली पुलिस में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर अपने दायित्व का कुशलतापूर्वक निर्वाह करने वाले 1977 बैच के वरिष्ठ और अनुभवी **आईपीएस अधिकारी श्री भीम सैन बस्सी** को दिल्ली पुलिस का 19वां पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया है। 57 वर्षीय श्री भीम सैन बस्सी ने 31 जुलाई, 2013 को सेवानिवृत हुए **पुलिस आयुक्त श्री नीरज कुमार** का स्थान लिया। वर्ष 1975 में श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स से बी.कॉम (ऑनर्स) और दिल्ली विश्वविद्यालय से ही कानून की उपाधि लेने वाले श्री बस्सी 12 जुलाई, 1977 को आईपीएस अधिकारी के तौर पर पुलिस सेवा में शामिल हुए थे। वर्ष 1980 में एएसपी पुदुचेरी व 1981 में एसपी अरूणाचल प्रदेश के तौर पर काम करने के बाद 1984 में उन्हें दिल्ली वापसी पर अति0उपा0पुलिस नई दिल्ली जिला में नियुक्त किया गया। उपायुक्त पुलिस सुरक्षा एवं उत्तर–पूर्वी जिला का कुशलतापूर्वक नेतृत्व करते हुए उन्होंने लगभग साढ़े तीन वर्ष तक उपायुक्त पुलिस उत्तरी जिला में भी अपनी प्रतिभा की छाप छोड़ी। वर्ष 1998 में दो वर्ष के लिए केन्द्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर काम करने के बाद श्री बस्सी को वर्ष 2000 में पुलिस महानिदेशक चंड़ीगढ़ का दायित्व सौंपा गया। 2002 में चंडीगढ़ से दिल्ली वापसी पर उन्हें संयुक्त पुलिस आयुक्त, दक्षिणी परिक्षेत्र और उसके बाद विशेष पुलिस आयुक्त सतर्कता व गुप्तचर जैसा महत्वपूर्ण पदभार दिया गया। वर्ष 2009 से 2011 तक पुलिस महानिदेशक गोवा के रूप में कुशल नेतृत्व करने के बाद श्री भीम सैन बस्सी को विशेष पुलिस आयुक्त यातायात जैसे संवेदनशील पद पर नियुक्त किया गया। जिसमें उन्होंने कई रचनात्मक कदम उठाए। 16 जनवरी, 2012 से विशेष पुलिस आयुक्त, प्रशासन के पद पर काम करते हुए उन्होंने पुलिस विभाग को प्रशासनिक क्रियाशीलता व सुदृढ़ता मुहैया कराई और अपनी लोकप्रियता का भी परिचय दिया। श्री भीम सेन बस्सी को वर्ष 1996 में सराहनीय सेवाओं के लिए तथा वर्ष 2002 में विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक से सम्मानित किया जा चुका है।

भूतपूर्व पुलिस आयुक्त

1 जुलाई, 1978 को दिल्ली में पुलिस आयुक्त व्यवस्था (Commissionary System) लागू होने के बाद से अब तक के भूतपूर्व पुलिस आयुक्तों की सेवाकाल अवधि इस प्रकार है।



श्री. जे.एन. चतुर्वेदी
अक्टूबर 1977 से जनवरी 1980



श्री पी.एस भिंडर
जनवरी 1980 से दिसम्बर 1981



श्री बजरंग लाल
दिसम्बर 1981 से अप्रैल 1983



श्री सुभाष चंद टंडन
अप्रैल,1983 से नवम्बर, 1984



श्री एस.एस. जोग
नवम्बर, 1984 से अप्रैल, 1985



श्री वेद मारवाह
अप्रैल, 1985 से अप्रैल, 1988



श्री राजा विजय करण
अप्रैल, 1988 से दिसम्बर 1990



श्री अरूण भगत
दिसम्बर, 1990 से फरवरी, 1992



श्री एम.बी कौशल
फरवरी, 1992 से जनवरी, 1995



श्री निखिल कुमार
जनवरी, 1995 से मार्च, 1997



श्री टी.आर. कक्कड़
अप्रैल, 1997 से मई, 1998



श्री वी.एन. सिंह
मई, 1998 से जून, 1999



श्री अजयराज शर्मा
जुलाई, 1999 से जून, 2002



श्री आर.एस. गुप्ता
जुलाई, 2002 से फरवरी, 2004



डॉ. के.के. पाल
फरवरी, 2004 से जुलाई, 2007



श्री वाई.एस.डडवाल
जुलाई, 2007 से नवम्बर 2010



श्री ब्रिजेश कुमार गुप्ता
नवम्बर 2010 से जून 2012



श्री नीरज कुमार
जून 2012 से 31 जुलाई, 2013

हमारे कर्तव्य पालन का मुख्य ध्येय शांति, सेवा और न्याय : श्री बस्सी



31 जुलाई, 2013 को 1977 बैच के **आईपीएस अधिकारी श्री भीम सैन बस्सी** ने 19 वें पुलिस आयुक्त के रूप में अपना पदभार ग्रहण किया। पूर्वाहनः लगभग 1 बजे नव–नियुक्त पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी के पुलिस मुख्यालय पहुंचने पर पुलिस मुख्यालय प्रांगण में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। तत्पश्चात श्री बस्सी को गार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। द्वितीय तल स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय पहुंच कर श्री भीम सैन बस्सी ने तत्कालीन पुलिस आयुक्त श्री नीरज कुमार से पदभार ग्रहण किया। बाद में श्री बस्सी, श्री नीरज कुमार को ससम्मान नीचे द्वार तक छोड़ने आए। पुलिस मुख्यालय में समस्त वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात के बाद श्री बस्सी ने संवाददाता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए अपनी प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला।

पुलिस आयुक्त के तौर पर उनकी प्राथमिकताएँः– समाज में शांति, निष्काम सेवा और न्याय जैसे विचारों को अपनी कार्यशैली में मजबूती के साथ क्रियान्वित करने का दृढ़ इरादा रखने वाले नए पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने अपने कार्य की शुरूआत कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं की घोषणा के साथ की है। उन्होंने कहा कि मेरी प्राथमिकता होगी कि दिल्ली में सुरक्षित वातावरण बने, महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा के लिए प्रभावशाली कदम उठाए जाएँ, पुलिस व जनता को निकट लाना और उसकी दूरी कम करना, जनता का पुलिस के प्रति विश्वास में संतोषजनक स्तर स्थापित करना, स्ट्रीट क्राइम पर अंकुश लगाना, एफआईआर दर्ज करने में त्वरितता बरतना



और शिकायतकर्ता को उसकी शिकायत की प्रगति के बारे में सूचित किया जाना, काम में निष्पक्षता पारदर्शिता व जिम्मेवारी की भावना को मजबूत किया जाना, पड़ोसी निगरानी योजना को पुनः क्रियाशील करते हुए सामुदायिक पुलिसिंग को मजबूत बनाना, सड़क सुरक्षा और गतिशीलता में वृद्धि लाना, सलाह व कानूनी कार्रवाही द्वारा बाइकर्स समस्या का निदान करना, राजधानी को आतंक और आतंकवादियों से सुरक्षित रखना, अपने दायित्वों का अच्छा परिणाम देने के लिए पुलिस स्टाफ को प्रोत्साहित करना, असामाजिक तत्वों के मन में कानून का भय उत्पन्न करना, पड़ोसी राज्यों की पुलिस के साथ अन्तर्राज्यीय समन्वय बढ़ाते हुए अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाना आदि।

पदभार ग्रहण करने के बाद संवादतादाओं से बातचीत करते हुए श्री बस्सी ने कहा कि दिल्ली पुलिस को एक जनप्रिय पुलिस बनाने के हरसंभव प्रयास किया जाएगा। अपने उपलब्ध संसाधनों से दिल्ली के नागरिकों के लिए बेहतरीन प्रदर्शन कर सके। पुलिस के स्तर पर लोगों की जीवन को आसान बनाने और उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना हमारा कर्तव्य है। जिसे हर स्तर पर पूरा करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि मुश्किल की घड़ी में लोग मदद की आशा लिए पुलिस के सम्पर्क में आते हैं और यदि उनकी आशा निराशा में बदल जाए तो निःसंदेह लोग पुलिस के पास आने में संकोच करेंगे पुलिस के प्रति उनका विश्वास कमजोर होगा और जो पुलिस जनता से मदद की अपेक्षा रखती है, वह नहीं मिल सकेगी। इसीलिए हमें ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें कि लोगों की शिकायतों पर तुरंत कार्रवाही हो, उन्हें शीघ्र एफआईआर की प्रति मिले, और किन्हीं कारणों से देरी हो तो एफआईआर की प्रति उनके घर जाकर उपलब्ध करा दी जाए। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास



होगा कि पुलिसकर्मियों की सोच व व्यवहार में बदलाव के लिए आमूल–चूल परिवर्तन किये जाए। अगर कोई थाने में अपनी शिकायत लेकर आए तो उसकी प्राथमिक दर्ज की जाए, यदि कोई पेचीदगी है तो जॉच की जाए परन्तु लोगों को थाने से निराश न लौटाया जाए। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए हर संभव प्रयास किये जाऐंगे। जिसमें वे किसी भी समय, कहीं भी खुद को महफूज महसूस कर सकेंगी। ऐसे प्रयास किये जायेंगे कि बदमाशों और आम जनता में पुलिस का भय नहीं बल्कि कानून का भय हो। कुछ वर्ष पूर्व शुरू हुई Neighbourhood Watch Scheme (पड़ोसी परस्पर निगरानी योजना) का पुनः नवीनीकरण करते हुए इसे सम्पूर्ण दिल्ली में चलाया जाएगा। जिससे गली–गली, घर–घर तक पुलिस का जनता का परस्पर नेटवर्क मजबूत होगा। बीट कांस्टेबल व डिविजन अफसरों का अपने–अपने इलाकों के लोगों के साथ बेहतर तालमेल बनेगा और स्थानीय लोग भी एक–दूसरे की मदद के लिए आगे हाथ बढ़ायेंगे। उन्होंने कहा कि पुरानी योजनाओं युवा, आपसी जनसम्पर्क, थाना लेबल कमेटी जैसी योजनाओं को भी आगे बढ़ाया जाएगा।



फोटो : राजेश

पूर्व पुलिस आयुक्त श्री नीरज कुमार को भावभीनी विदाई



परेड का निरीक्षण करते हुए

31 जुलाई, 2013 की प्रातः किग्जवे कैम्प स्थित नई पुलिस लाइन मैदान में पूर्व पुलिस आयुक्त श्री नीरज कुमार के सम्मान में एक शानदार विदाई परेड़ का आयोजन किया गया। इस विदाई परेड़ के अवसर पर भारी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, जवान और मीडियाकर्मी उपस्थित थे। अपनी विदाई परेड़ की सलामी लेते हुए श्री नीरज कुमार ने अपने कार्यकाल के दौरान उन्हें दिये गये शानदार सहयोग के लिए समस्त दिल्ली पुलिस परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं हाथी पर आया था और मुझे दिल्ली पुलिस परिवार ने हाथी पर ही विदाई दी। इसीलिए मैं सभी अधिकारियों एवं जवानों को धन्यवाद एवं अपना आशीर्वाद देता हूँ।

उन्होंने अपने भावुक विदाई सम्बोधन भाषण में कहा कि *"आज 37 साल की नौकरी के बाद मैं सेवानिवृत हो रहा हूँ, इस अवसर पर मेरी भावनाएँ मिली–जुली हैं – कुछ खुशी की हैं और साथ ही कुछ दुःख की भी। खुशी की इसलिए कि मुझे अपनी नौकरी के दौरान दिल्ली पुलिस जैसे उत्कृष्ट फोर्स में कई वर्ष विभिन्न पदों पर काम करने का मौका मिला और मेरे बंतमत के अंतिम चरण में आपका कमिश्नर बनने का सुखद अवसर प्राप्त हुआ। साथ ही दुःख इस बात का है कि आज मेरे पुलिस की वर्दी पहनने का आख़िरी दिन है। इस बात पर यक़ीन अभी भी नहीं हो रहा। एक सच्चे पुलिसवाले के लिए उसकी वर्दी ही उसके जीवन का अर्थ, उसका मकसद है। मैंने सुबह–शाम, सोते–जागते, उठते–बैठते सिर्फ पुलिस की बात सोची है। पर वक्त आ गया है इस सच्चाई को स्वीकारने का कि जीवन के इस दौर का अंत हो चला है। आज मैं आपके बीच, आपसे विदा लेने के लिए आया हूँ।*

हमारा पुलिस बल एक बेहद निष्ठावान और कार्यकुशल फोर्स है। हम भी न केवल देश की राजधानी की सुरक्षा प्रदान करने की ज़िम्मेवारी है, बल्कि साथ ही साथ अनेक विषमताओं, जटिल समस्याओं और चुनौतियों से भी समय–समय पर जूझना हमारा काम है। मैं नहीं समझता कि देश के किसी अन्य शहर में ऐसी परिस्थितियाँ, ऐसे हालात होते हैं, जिनसे हमें हर दिन लगातार गुज़रना पड़ता है।

कुछ ऐसा संयोग रहा कि मेरे सी.पी. बनने के 13 महीनों के कार्यकाल में इन चुनौतियों की भरमार रही, लेकिन मैं कभी भी विचलित नहीं हुआ या घबराया नहीं और यह इसलिए कि मुझे मालूम था कि मेरे पीछे 80 हजार का एक सशक्त पुलिस परिवार है, जिनकी कर्त्तव्यनिष्ठा और विश्वसनियता बेमिसाल है। यह सच है कि हमारे पुलिस फोर्स में कई खामियाँ हैं, कई कमज़ोरियाँ और कई त्रुटियाँ हैं। हमारे बीच कुछ ऐसे तत्व हैं जिन्हें अच्छा पुलिसकर्मी नहीं कहा जा सकता। इसके बावजूद हम उतने बुरे नहीं हैं जितना हमारे निन्दक हमें बनाने का प्रयास करते हैं। 37 साल की सर्विस में मेरा देश–विदेश के कई पुलिसबलों से सम्पर्क हुआ और उनमें से कई को मैंने करीब से देखा है। मुझे यह कहने में बिल्कुल संकोच नहीं है कि हमारी दिल्ली पुलिस देश की सर्वोत्तम पुलिस फोर्स है जो कठिन से कठिन अपराधों को, आतंकवादी घटनाओं को, जटिल से जटिल लॉ एण्ड ऑडर के इंतजामों को बखूबी सुलझा लेती है व निपटा लेती है। दिल्ली में आज तक ऐसी कोई आतंकवादी घटना नहीं हुई है जिसकी गुत्थी दिल्ली पुलिस नहीं सुलझा सकी हो। इसमें पार्लियामेंट हाऊस पर हुआ हमला हो या रेडफोर्ट पर आतंकवादी वार। समय–समय पर यहाँ सीरियल बम धमाके व अन्य आतंकवादी हमले हुए पर एक भी ऐसी घटना नहीं है जिसको दिल्ली पुलिस ने नहीं सुलझाया हो। मैंने जब सी.पी. का पद सँभाला था तो मेरी पहली प्राथमिकता, Priority No. 1 शहर को आतंक से मुक्त रखने का था। ईश्वर की अनुकम्पा से और आपकी चौकसी से दिल्ली में मेरे कार्यकाल के दौरान एक भी आतंकवादी घटना नहीं घटी। साथ ही मुझे इस बात का गर्व है कि मेरे कार्यकाल में इण्डियन मुज़ाहिद्दीन का एक महत्वपूर्ण मॉड्यूल पकड़ा गया और 1 अगस्त, 2012 को पुणे में हुए सीरियल बम ब्लास्ट को हमने सुलझा लिया। गत 13 महीनों में जितने भी संगीन अपराध हुए उन सब को वर्कआउट किया गया और उनकी जल्द से जल्द चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कराई गई। चाहे वो डिफेंस कालोनी बैंक डकैती हो, दीपक भारद्वाज हत्याकाण्ड हो या बलात्कार की बहुचर्चित घटनायें हों, आप लोगों की कार्यकुशलता से और ईश्वर की कृपा से सारे मामले सुलझा लिए गए। साथ ही हमने IPL की spot fixing racket का पर्दाफाश कर सारे निन्दकों के मुख पर ताला लगा दिया।

मेरे कार्यकाल में दिल्ली पुलिस पर और विशेषकर मुझ पर बार–बार हमले होते रहे। मेरे इस्तीफे की कई दफ़ा माँग हुई। कभी यह भी कहा गया कि आप छुट्टी चले जाएं और कभी यह कि आप तबादला ले लें, यहाँ तक कि मेरे suspension की भी बात हुई। इस दौरान कई टीवी चैनल्स ने मेरे इन्टरव्यू लिए, जिनमें से एक टीवी चैनल के anchor ने मुझसे यह कहा कि दिल्ली में कमिश्नर हाथी पर आते हैं और पैदल विदा होते हैं, उनका संकेत यह था कि मैं शीघ्र ही, पैदल इस पद से जाने वाला हूँ। मैं आज उनको और उनके समान अन्य शुभ चिन्तकों को यह कहना चाहूँगा कि दिल्ली पुलिस का यह कमिश्नर हाथी पर आया था और हाथी पर ही जा रहा है। अगर दिल्ली पुलिस का वश चलता तो शायद इससे भी ऊंची सवारी पर आप मुझे विदा करते। मैं इसके लिए ईश्वर का और साथ ही आप सब का आभार प्रकट करता हूँ कि आपने मेरी आन–बान और शान बरक़रार रखी। कई बार सड़कों पर दिल्ली पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन हुए, रैलियाँ निकली। आम आदमी की भावनाओं को ऐसी दिशा में ले जाया गया कि वो पुलिस के





ख़िलाफ हो जाएं, लेकिन मुझे यह भी मालूम है कि इस शहर की ज़्यादातर जागरूक जनता को अहसास था कि हमने कोई ग़लती नहीं की थी। इन हमदर्द और पुलिस को समर्थन देने वालों के बीच से कुछ लोग सामने आये और कुछ लोग परदे के पीछे रहकर हमारे लिए प्रार्थना करते रहे। मैं दिल्ली की ऐसी जनता को धन्यवाद देना चाहता हूँ कि उन्होंने इन कठिन परिस्थितियों में हमारा साथ दिया। वो मुख्यतः ऐसे लोग हैं जिन्हें अपनी बात टीवी चैनल्स पर, अख़बारों में, और सड़कों पर आकर, अपनी भावनाओं को प्रकट करने की छूट और पहुँच नहीं है पर वो हमारे साथ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप में रहे। मैं उन्हें salute करता हूँ और उनका शुक्रिया अदा करता हूँ।

मीडिया के हमारे साथियों के साथ हमारा ख़ासा दिलचस्प रिश्ता रहा। पर मुझे उनसे कोई शिकवा, शिकायत नहीं है। मिर्ज़ा–ग़ालिब का एक शेर याद आता है:– ''ज़मा करते हो क्यूँ रक़ीबों को, एक तमाशा हुआ, गिला न हुआ, मैं न अच्छा हुआ, बुरा न हुआ।''

मीडिया में काम करने वालों की अपनी मजबूरियाँ हैं और मैं उन विवशताओं को भली–भाँती समझता हूँ। उनकी जागरूकता से हमें चुस्त और सतर्क रहना पड़ता है। इसलिए मैं उनका भी शुक्रिया अदा करता हूँ और यह मंगलकामना करता हूँ कि वो खुश रहें, आबाद रहें। मुझसे एक interview में यह पूछा गया कि आपको अपने कार्यकाल से क्या शिकायत रही। मेरा जवाब था कि मेरे पास वक्त सीमित था और इस कारण मैं अपने जवानों के welfare के लिए बहुत कुछ नहीं कर पाया। पर इन पिछले 13 महीनों में मैंने प्रयास किया कि family welfare centers दुबारा से शुरू किया जा सके और इस दिशा में हमें काफ़ी सफलता भी मिली। Family Welfare Fund में 50 लाख रूपयों की बढ़ोतरी की गई और उतनी ही राशी Delhi Police Education Fund में भी डाली गई। साथ ही 'दिल्ली पुलिस शहीदी फण्ड' की भी शुरूआत की गई है जिनसे पुलिस operations में मारे गये कर्मियों के परिवारों को 20 लाख रूपये और पुलिस ड्यूटी पर दुर्घटनाओं में मारे गये या आक्समिक मृत्यु के शिकार हुए कर्मियों को 10 लाख रूपये देने का प्रावधान किया गया है।

मेरे कार्यकाल की सबसे अच्छी बात यह रही कि मुझे अपने सहयोगियों का और हर सदस्य का हमेशा समर्थन मिला और यही वजह थी कि आज मैं पूरी मान–मर्यादा के साथ आपसे अलविदा कह रहा हूं। कृप्या मेरी शुभकामनाएँ, मेरा आशीर्वाद आप स्वीकार करें। अंत में मुझे आपकी ओर से सारी दुनिया को यह कहना चाहूँगा कि –

''अब तो ऑधियाँ भी हैरान हैं हमारे हौसलों से,
वो एक दिया बुझाती हैं और हम सौ दिये जलाते हैं।''

जय हिंद!



परम्परागत तरीके से सेवानिवृत पुलिस आयुक्त की कार को सम्मान के प्रतीक रस्से से बांधकर निकास द्वार तक छोड़ते हुए पुलिस अधिकारी एवं जवान

तत्कालीन पुलिस आयुक्त श्री नीरज कुमार एवं विशेष पुलिस आयुक्त श्री पी.एन. अग्रवाल की सेवानिवृत्ति के अवसर पर पुलिस **GOs Mess** में विदाई पार्टी का आयोजन किया गया। जिसमें सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया।



तत्कालीन पुलिस आयुक्त श्री नीरज कुमार को स्मृति चिन्ह् भेंट करते वर्तमान पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी।



सेवानिवृत विशेष पुलिस आयुक्त श्री पी.एन. अग्रवाल को स्मृति चिन्ह् भेंट करते पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी।



तत्कालीन पुलिस आयुक्त श्री नीरज कुमार **GOs Mess** में रखे **Visitor** रजिस्टर में अपने उद्गार दर्ज करते हुए।



5202 नए फ्लैटों के निर्माण हेतु धीरपुर में भूमि–पूजन आवासीय सुविधा 18 से बढ़कर 25 प्रतिशत तक पहुंचेगी।

8 जुलाई, 2013 को तत्कालीन **महामहिम उपराज्यपाल श्री तेजेन्द्र खन्ना** ने दिल्ली पुलिस की धीरपुर आवासीय परियोजना (पीपीपी–पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) के तहत निर्मित होने वाले 5202 फ्लैटों के निर्माण की आधारशिला रखी। भूमि पूजन की विधि को विधिवत् सम्पन्न कराने के लिए सभी समुदायों के धर्मगुरू इस मौके पर उपस्थित थे। इस अवसर पर गृहमंत्रालय में प्रधान **सचिव श्री अरविन्द सिंह, उपराज्यपाल के ओएसडी श्री शांतनू सेन, तत्कालीन विशेष पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी, विशेष पुलिस आयुक्त श्री टी.एन. मोहन** व प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप के तहत फ्लैट बनाने वाली पूंज लॉयड निर्माण कम्पनी पुंज लायॅड के **वरिष्ठ अधिकारी श्री लव छाबड़ा, विशेष पुलिस आयुक्त श्री धर्मेन्द्र कुमार, श्री पी.एन.अग्रवाल, श्री दीपक मिश्रा, श्री एस.नित्यानंदम्, श्री एस. एन श्रीवास्तव, श्री ताज हसन, श्री ए.के.सिंह, श्री एस.बी.के.सिंह, श्री तेजेन्द्र लूथरा, श्री विरेन्द्र चहल, श्री संजय बेनीवाल, श्री संदीप गोयल** सहित भारी संख्या में अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं जवान उपस्थित थे।

लगभग 1800 करोड़ रूपये की लागत से तैयार होने वाले इस मेगा हाउसिंग प्रोजेक्ट में विभिन्न श्रैणी के कुल 5202 फ्लैट तैयार होंगे। जिनमें टाइप–2 के 4256, टाइप–3 के 246 तथा टाइप–4 के 700 फ्लैट शामिल हैं। 60 एकड़ भूमि पर 14 मंजिलों में निर्मित होने वाले 5202 फ्लैटों के अलावा तीन स्कूल, सामुदायिक केन्द्र, शॉपिंग कॉम्पलैक्स, मेडिकल आदि की सुविधा भी होगी। मैंसर्स इन्द्राप्रस्थ मैट्रोपोलिटन डेवलमेंट लिमिटेड (पुंज लॉयड ग्रुप) द्वारा इन फ्लैटों को केवल 885 दिनों में तैयार किया जाएगा।

तत्कालीन विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशासन) श्री भीम सैन बस्सी ने अपने सम्बोधन में कहा कि दिल्ली पुलिस के इतिहास में सबसे सुनहरा दिन है कि आज एक मेगा हाउसिंग प्रोजेक्ट की नीवं रखी गई है। इस प्रोजेक्ट पर पिछले काफी दिनों से काम चल रहा था परन्तु किसी न किसी औपचारिकता को पूरी करने में इसमें अड़चनें आ रही थी। जिन्हें माननीय उपराज्यपाल महोदय ने अपने व्यक्तिगत हस्तक्षेप के बाद पूरा कराया और उन्हीं के दिशा–निर्देश व मार्गदर्शन से ही हम इस प्रोजेक्ट को पूरा कराने की दिशा में आगे बढ़ सके हैं। इसके लिए मैं व्यक्तिगत तौर पर तथा समस्त दिल्ली पुलिस की ओर से उनका आभार व्यक्त करता हूँ। इसके साथ ही उन्होंने इस प्रोजेक्ट को इस मुकाम तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाने वाले वि0 पु0 आ0 श्री एस.एन.श्रीवास्तव वि0पु0आ0, श्री टी.एन. मोहन, उपायुक्त पुलिस श्री रजनीश गुप्ता व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की भी प्रंशसा की। उन्होंने कहा कि दिल्ली के प्रमुख केन्द्र पर स्थापित होने वाली यह प्रोजेक्ट आने वाले समय में हर दृष्टिकोण से शानदार होगा क्योंकि इन फ्लैटों के निर्माण में विश्वस्तरीय तकनीक का उपयोग किया जाएगा। बाहरी रिंग रोड़ पर मुकुंदपुर से आजादपुर की तरफ जाने वाली सड़क पर स्थित हर आवासीय सुख–सुविधाओं से सम्पन्न यह पुलिस प्रोजेक्ट मैट्रो स्टेशन के निकट होने के कारण दिल्ली के हर भाग से जुड़ा रहेगा। उन्होंने बताया कि हाउसिंग प्रोजेक्ट की एक विशेषता यह भी होगी कि निर्मित होने वाले फ्लटों, सामुदायिक केन्द्र, स्कूल, शॉपिंग काम्पलेक्स आदि के रखरखाव की जिम्मेवारी 25 वर्षो के लिए निर्मित करने वाली कम्पनी की ही होगी। जिनमें उनकी मूल आय का स्रोत्र व्यवसायिक केन्द्र होंगे। 25 वर्षो के बाद समयानुसार आकलन किया जाएगा कि इन भवनों की देखरेख का काम यहीं कम्पनी करें या दिल्ली पुलिस स्वंय करें। श्री बस्सी ने कहा के वर्तमान में दिल्ली पुलिस की आवास सुविधा संतुष्टि का स्तर 18.6 प्रतिशत है जो इन फ्लैटों के निर्माण के बाद बढ़कर लगभग 25 प्रतिशत तक हो जाएगा।

तत्कालीन उपराज्यपाल श्री तेजेन्द्र खन्ना ने उपस्थित पुलिस अधिकारियों, कर्मियों और निर्मित कम्पनी के अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस के कंधों पर शहर की सुरक्षा की एक बड़ी जिम्मेदारी है। पुलिसकर्मियों को मूलभूत सुविधाएँ मिलना नितांत जरूरी है। इस मेगा हाउसिंग प्रोजेक्ट के पूरा करने के लिए मैं पुलिस अधिकारियों और निर्माण कम्पनी के अधिकारियों को मुबारकबाद देना चाहूंगा और विश्वास करूगा कि कम्पनी अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप इस प्रोजेक्ट को तय समयावधि में पूरा करेगी। दिल्ली पुलिस ने पिछले दिनों कई महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं, विशेषकर महिलाओं के लिए। जो भविष्य में महिलाओं की सुरक्षा के लिए काफी कारगर साबित होंगे। उन्होंने ब्रिटिश पुलिस का उदाहरण देते हुए कहा कि वहॉ के पुलिसकर्मी न केवल इमानदार होते हैं बल्कि शिष्टाचारी भी होते हैं। वे हर आगंतुक को सर/मैडम जैसे शब्दों से ही सम्बोधित करते हैं। इसीलिए हमें भी और अधिक शिष्टाचारी होने और महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ाना होगा।





केन्द्रीय गृहमंत्री श्री सुशील कुमार शिंदे ने 370 नई पीसीआर वैन को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया।



24 जून, 2013 की प्रातः **माननीय केन्द्रीय गृहमंत्री श्री सुशील कुमार शिंदें** ने इंडिया गेट प्रांगण से 370 नई पीसीआर वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पूर्व दिल्ली पुलिस के पास लगभग 550 पीसीआर वैन थी। इस अवसर पर **तत्कालीन पुलिस आयुक्त श्री नीरज कुमार, तत्कालीन विशेष पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी, विशेष पुलिस आयुक्त श्री टी.एन.मोहन** सहित भारी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी व जवान उपस्थित थे। इस अवसर पर **तत्कालीन पुलिस आयुक्त श्री नीरज कुमार** ने कहा कि दिल्ली पुलिस के इतिहास में आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। क्योंकि आज से पूर्व ऐसा कभी नहीं हुआ कि 370 पीसीआर वैन एक साथ दिल्ली पुलिस बेड़े में शामिल हुई। इसके लिए माननीय केन्द्रीय गृहमत्री को श्रेय और धन्यवाद देता हूँ। इन पीसीआर वैन को महिलाओं की सुरक्षा की दृष्टि से कॉलेजों, स्कूलों, सुनसान आवागमन के रास्तों, व्यस्त बाजारों, संवेदनशील स्थलों, धार्मिक स्थलों के आसपास नियुक्त करने की प्राथमिकता होगी। इस मौके पर बोलते हुए माननीय गृहमंत्री श्री शिंदें ने कहा कि गतवर्ष 16 दिसम्बर को बसंत विहार इलाके में हुई सामूहिक बलात्कार की घृणित वारदात के बाद दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था को और ज्यादा चाक–चौबंद करने के लिए दिल्ली पुलिस द्वारा अतिरिक्त पीसीआर मुहैया कराने के प्रस्ताव पर सकारात्मक विचार करने का गृहमंत्रालय ने जो आश्वासन दिया था, उसे पूरा कर दिया गया है। इन पीसीआर वैन की प्राप्ति पर दिल्ली पुलिस काफी मजबूत होगी और समय पर मदद मिलने पर पीड़ितों को राहत मिलेगी। जगह–जगह पुलिस की उपस्थित का माहौल होने पर नागरिकों में, विशेषकर महिलाओं में विश्वास की भावना उत्पन्न होगी। इन पीसीआर वैन पर तैनात पुलिसकर्मियों को ग्लॉक पिस्टल और एमपी 5 गन जैसे अत्याधुनिक हथियार दिये जायेंगे। जिसके लिए बाकायदा पीसीआर कर्मियों को तीस दिन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन पीसीआर वैन का कुछ इस तरह डिजाइन किया गया है कि ज्यादा से ज्यादा जगह मिल सके और घायलों को सुविधाजनक तरीके से अस्पताल पहुंचाया जा सके। पुलिसकर्मियों को पीड़ितों को प्राथमिक चिकित्सा सुविधा देने का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। पुराने जीपीएस सिस्टम के स्थान उपर नया आधुनिक जीपीएस सिस्टम लगाया गया हैं। फिलहाल दिल्ली पुलिस में चालकों की भर्ती प्रक्रिया जारी है। यह प्रक्रिया पूरी होने पर सभी पीसीआर वैन को सक्रिय रूप से चिन्हित बिंदुओं पर तैनात कर दिया जाएगा।

वास्तविक पुलिस कार्यवाही एवं तथ्यों पर आधारित ''पुलिस डायल 100'' शो लाईफ ओके चैनल पर शनिवार–रविवार को शाम 7 से 11 प्रसारित

20 जून, 2013 की शाम सिरीफोर्ट सभागार में दिल्ली पुलिस की वास्तविक तफ्तीश, आपराधिक तथ्यों और सच्ची मुठभेड़ों पर आधारित ''पुलिस डायल 100'' कार्यक्रम को पर्दे पर दिखा कर उसके प्रसारण का शुभारंभ किया। इस अवसर पर **तत्कालीन पुलिस आयुक्त श्री नीरज कुमार, विशेष पुलिस आयुक्त श्री धर्मेन्द्र कुमार, श्री पी.एन.अग्रवाल, श्री दीपक मिश्रा, श्री एस.एन. श्रीवास्तव, श्री टी.एन. मोहन, श्रीमती माला कुमार,** लाईफ ओके चैनल की टीम के अलावा भारी संख्या में अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं जवान उपस्थित थे। लाईफ ओके टी.वी. चैनल द्वारा हर शनिवार–रविवार को सांय 7 बजे से 11 बजे तक प्रायोजित होने वाले इस कार्यक्रम में प्रतिदिन की पुलिस कार्रवाही में पुलिस के असली हीरो अपनी वर्दी में क्या–क्या भूमिका अदा करते हैं, किन परेशानियॉ और किन–2 मुश्किलों का सामना करते हैं, का प्रसारण किया जाएगा। पुलिस के लिए संगीन अपराधों एवं हिंसक अपराधियों के बारे में सबूत जुटाना, पीड़ितों व दोषियों की मानसिक स्थिति को समझना, आंतकवादियों व बदमाशों के साथ मुठभेड़ में अपनी जान की परवाह न करना, विशेष समुदाय एवं आपराधिक प्रवृति के लोगों को दबोचने के लिए दिल्ली सहित दूसरों राज्यों में छापेमारी करना जैसी वारदातों के बारे में टेलीविज़िन के माध्यम से दर्शकों को बताने का प्रयास किया जा रहा है। इस संबंध में **तत्कालीन पुलिस आयुक्त श्री नीरज कुमार** ने कहा कि ऐसा प्रसारण पुलिसकर्मियों में आत्मविश्वास बढ़ायेगा और नागरिकों के सामने पुलिस की सकारात्मक छवि प्रस्तुत करेगा। इस कार्यक्रम में 100 नम्बर पर कॉल आन के बाद से लेकर अपराधी को पकड़ने तक पुलिस की पूरी गतिविधियों को दर्शाया जाएगा।





उपराज्यपाल श्री नज़ीब जंग ने पुलिस मुख्यालय का दौरा किया


फोटो : रोजर

उपराज्यपाल **श्री नज़ीब जंग** ने 22 जुलाई, 2013 को पुलिस मुख्यालय का दौरा कर पुलिस कार्यप्रणाली को जाना। इस अवसर पर तत्कालीन पुलिस आयुक्त श्री नीरज कुमार व विशेष पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी सहित सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे। पुलिस मुख्यालय प्रागंण में गार्ड ऑफ ऑनर लेने के बाद श्री जंग ने केन्द्रीय पुलिस नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण किया और तत्पश्चात सम्मेलन कक्ष में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ दिल्ली की कानून व्यवस्था संबंधी विचार–विमर्श किया। उपराज्यपाल महोदय ने पुलिस मुख्यालय स्थित मिडिया सेन्टर का भी दौरा किया।

नए केन्द्रीय गृह सचिव श्री अनिल गोस्वामी



जम्मू–कश्मीर कैडर के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी **श्री अनिल गोस्वामी** ने 30 जून को नए केन्द्रीय गृह सचिव के रूप में अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। लगभग 32 वर्षो तक विभिन्न प्रशासनिक पदों पर कार्य कर चुके अनुभवी एवं कार्यकुशल श्री अनिल गोस्वामी के केन्द्रीय गृह सचिव का पदभार ग्रहण करने पर दिल्ली पुलिस के गृह मंत्रालय से संबंधित कामकाज को सकारात्मक दिशा मिलेगी।

पूर्व पुलिस आयुक्त डॉ.के.के पाल मेघायल के राज्यपाल नियुक्त



दिल्ली पुलिस के **पूर्व पुलिस आयुक्त डॉ के.के.पाल** को जुलाई माह में **महामहिम राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी** ने मेघायल का राज्यपाल नियुक्त किया है। फरवरी –2004 से जुलाई 2007 तक दिल्ली पुलिस आयुक्त रहे डॉ. पाल 1972 बैच (यूटी कैडर) के आई.पी. एस अधिकारी है और दिल्ली पुलिस की विभिन्न महत्वपूर्ण जिला/यूनिटों में काम कर चुके हैं। इसके अलावा **पूर्व पुलिस आयुक्त श्री निखिल कुमार** भी वर्तमान में केरल के राज्यपाल का दायित्व बखूबी निभा रहे हैं। यह दिल्ली पुलिस के लिए खुशी और गर्व की बात है।

अति.आ.पुलिस श्री अजय चौधरी को उपराज्यपाल का ओएसडी बनाया गया



अतिरिक्त आयुक्त पुलिस **श्री अजय चौधरी को उपराज्यपाल श्री नज़ीब जंग** का **आफिसर ऑन स्पेशल डयूटी (ओएसडी)** नियुक्त किया गया है। 1996 बैच के आईपीएस अधिकारी श्री चौधरी वर्तमान में दक्षिण–पूर्वी जिला की जिम्मेवारी संभाल रहे हैं।



तत्कालीन पुलिस आयुक्त श्री नीरज कुमार ने 28 जून, 2013 को लोधी कॉलोनी स्थित विशेष प्रकोष्ठ भवन में गृह मंत्रालय के दिशा–निर्देश और मार्गदर्शन में एक Centralized Monitoring Centre (LIMS) 'Lawful interception Monitoring system' का उद्घाटन किया। इस मोंनिटरिंग सेंटर में अधिकृत अधिकारी ही बॉयोमैट्रिक सिस्टम द्वारा इंटरसेप्शन संबंधित कार्य को अंजाम दे सकेगा। इस अवसर पर **वरिष्ठ पुलिस अधिकारी श्री धर्मेन्द्र कुमार, श्री दीपक मिश्रा तथा श्री एस.एन.श्रीवास्तव** भी उपस्थित थे।

नए पुलिस मुख्यालय के निर्माण के लिए भूमि पूजन





27 जुलाई, 2013 को संसद मार्ग स्थित डीसीपी कार्यालय के पीछे जयसिंह रोड़ पर नए पुलिस मुख्यालय के लिए भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर सभी सुमदायों के धर्मगुरू भूमि पूजन की विधि सम्पन्न कराने के लिए उपस्थित थे। इस अवसर पर तत्कालीन पुलिस आयुक्त श्री नीरज कुमार, विशेष पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी, योजना आयोग के सलाहकार श्री गजेन्द्र हल्दिया, केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की विशेष सचिव श्रीमती बी.भामती, विशेष पुलिस आयुक्त श्री धर्मेन्द्र कुमार, श्री दीपक मिश्रा, श्री टी.एन. मोहन, डीजी जेल श्रीमती विमला मेहरा, डीजी होमगार्ड डॉ. आदित्य आर्य के अलावा भारी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं पुलिसकर्मी उपस्थित थे। यूनिटी इंफ्रा प्रोजेक्ट लिमिटेड कंपनी द्वारा पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) के तहत बनने वाला यह पुलिस मुख्यालय आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित लगभग 1095.60 करोड़ रूपये में बन कर तैयार होगा। करीब 8.92 एकड़ भूमि में बनने वाले इस नए मुख्यालय काम शुरू होने के बाद केवल 840 दिनों में बनकर तैयार होगा। ट्विन टावर के रूप मे बनने वाले पुलिस मुख्यालय में एक ऑडिटोरियम और चार कॉफ्रेंस हाल होंगे जिनमें एक बड़े कॉफ्रेंस हॉल में लगभग 500 पुलिसकर्मियों/लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी। नई दिल्ली इलाके में पार्किंग समस्या को देखते हुए इस बिल्डिंग में पार्किंग स्पेस पर भी विशेष ध्यान दिया गया है।



बाराखम्बा रोड़ थाने की नई बिल्डिंग का उद्घाटन







31 जुलाई 2013 को नई दिल्ली जिला में बाराखम्बा रोड़ थाने की बिल्डिंग का तत्कालीन पुलिस आयुक्त श्री नीरज कुमार ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ–साथ नई दिल्ली जिला के अधिकारी एवं जवान भी उपस्थित थे। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित इस बिल्डिंग में पुलिस कार्यप्रणाली को ध्यान में रखते हुए निर्माणकार्य सम्पन्न किया गया है।

निष्पक्ष भाव से नागरिकों की सेवा और संविधान की रक्षा ही पुलिसकर्मी का एकमात्र ध्येय हो : उपराज्यपाल







12 जुलाई की शाम पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज, झाड़ौदा कलां में एक शानदार, आकर्षक एवं अनुशासित दीक्षांत परेड़ का सफल आयोजन किया गया। जिसमें 96 बैच के (पुरूष) और 97 बैच की (महिला) रंगरूटों ने शपथ लेकर दिल्ली पुलिस परिवार में शामिल हुए। मुख्य अतिथि **महामहिम उपराज्यपाल श्री नज़ीब जंग ने परेड़ की सलामी ली। इस अवसर पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी, श्री धर्मेन्द्र कुमार, श्री दीपक मिश्रा, श्री पी.एन. अग्रवाल, श्री एस. एन. श्रीवास्तव, श्री ताज हसन, श्री पी. कामराज, डीजी होमगार्ड श्री आदित्य आर्य, प्रिंसिपल पीटीसी श्री रोबिन हिब्बू, उप–प्रधानाचार्य श्री पी.के.मिश्रा के अलावा भारी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं जवान, प्रशिक्षण देने वाले इंस्ट्रक्टर तथा प्रशिक्षणार्थियों के परिजन उपस्थित थे।**

इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों को सम्बोधित करते हुए मुख्य–अतिथि महोदय ने कहा कि शपथ लेने के बाद पुलिसकर्मी धर्म, जाति, समुदाय व क्षेत्रीय बंधनों से मुक्त हो जाता है। उसका एकमात्र ध्येय होता है निष्पक्ष भाव से नागरिकों की सेवा और संविधान की रक्षा करना। उन्होंने कहा कि अब जमाना बदल गया है और समाज पहले से कहीं अधिक जागरूक है। मीडिया लोगों की आवाज बुलंद कर रहा है। इसलिए पुलिसकर्मियों की चुनौतियॉ भी बढ़ रही है। चुनौतियों को स्वीकार करने और उनका मुकाबला करने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। इसके लिए हमें अपनी तकनीकी सक्षमता को बढ़ाने और अपने संसाधनों व परस्पर तालमेल बढ़ाने की भी जरूरत है। दिल्ली को आंतकवाद से सुरक्षित रखने के लिए पुलिस को कड़े कदम उठाने और उसमें सफलता पाने के लिए स्थानीय नागरिकों का विश्वास प्राप्त करने की दिशा में सार्थक कदम उठाने होंगे। उन्होंने कहा कि आंतकवादियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ की जाने वाली कार्रवाही में पुलिस के साथ–साथ नागरिकों को भी सजग रहना होगा।

विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशासन) श्री भीम सैन बस्सी ने 2339 नए प्रशिक्षु सिपाहियों जिनमें 37 महिला सिपाही भी शामिल हैं, को पुलिस परिवार में शामिल होने पर बधाई देते हुए कहा कि पुलिस सेवा को शांति, सेवा और न्याय के सन्दर्भ में देखा जाता है। श्री बस्सी ने कहा कि न्याय की प्रथम सीढ़ी पुलिस से ही गुजर कर जाती है। जिस पीड़ित को पुलिस कार्रवाही में न्याय मिल जाता है तो उसे आगे वाली न्याय प्रक्रिया में भी कोई परेशानी नहीं होती।



फोटो : रोजर

11 प्रशिक्षु दानिप्स पुलिस अफ़सरों की पासिंग आउट परेड़ सम्पन्न

21 जून, 2013 की शाम पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज, झाड़ौदा कंला में एक भव्य पासिंग आउट परेड़ का आयोजन किया गया। जिसमें 11 प्रशिक्षु दानिप्स पुलिस अफ़सरों ने सफलतापूर्वक अपना प्रशिक्षण पूरा करने के बाद शपथ ग्रहण की। **तत्कालीन पुलिस आयुक्त श्री नीरज कुमार** ने परेड़ की सलामी ली और उन्हें सम्बोधित किया। इस अवसर पर **विशेष पुलिस आयुक्त (विशेष प्रकोष्ठ एवं प्रशिक्षण) श्री एस.एन. श्रीवास्तव, सयुंक्त पुलिस आयुक्त (प्रधानाचार्य पीटीसी) श्री रोबिन हिब्बू तथा उप–प्रधानचार्य श्री पी.के. मिश्रा** के अलावा भारी संख्या में पुलिस अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। परेड़ के दौरान पुलिसकर्मियों की अन्य टुकड़ियों व पुलिस बैंड ने भी प्रशिक्षणार्थियों का साथ निभाया। श्री नीरज कुमार ने कहा कि आप युवा एवं जोश व स्फूर्ति से परिपूर्ण है। इसीलिए कुशल व पेशेवर पुलिस अधिकारी बनें और उत्साह के साथ राजधानी दिल्ली को सुरक्षित बनाने में सामने आने वाली हर चुनौती को स्वीकार करें और उनका मुकाबला करें। श्री कुमार ने कहा कि बदलते अपराध के स्वरूप और तरीकों को ध्यान में रखते हुए आधुनिक उपकरणों एवं तफ्तीश की जरूरत होगी और इसके अलावा बच्चों, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिको, भ्रमित युवाओं और अन्य जरूरतमंदों के प्रति अपने उतरदायित्वों को प्रभावशाली ढंग से निभाना होगा। उत्तर प्रदेश, राजस्थान,मध्य प्रदेश, बिहार, गुजरात और दिल्ली से चुन कर आए इन सभी प्रशिक्षणार्थियों में विविधता में एकता का प्रतिबिंब दिखाई देता हैं। उच्च शिक्षा प्राप्त इन सभी प्रशिक्षणार्थियों को वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए हर पहलू पर गंभीरता से प्रशिक्षण दिया गया जिसमें एक माह का कंमाडों प्रशिक्षण भी शामिल हैं। श्री नीरज कुमार ने प्रशिक्षण (आउटडोर एवं इनडोर) में सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले प्रशिक्षु श्री आलूप पटेल, आउटडोर एवं फायरिंग में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले प्रशिक्षु श्री निशांत गुप्त तथा तफ्तीश में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाली सुश्री श्वेता चौहान को ट्राफी देकर सम्मानित किया।

दिल्ली पुलिस में सिपाही पद की भर्ती के लिए शैक्षिक योग्यता कुछ समय पहले 10वीं से बढ़ाकर कर 12वीं कर दी गई थी। परन्तु युवाओं की दिल्ली पुलिस में भर्ती होने की इच्छा इस कदर बढ़ी है कि इस बैच में पास–आउट होने वाले सिपाहियों में एमएससी, बीटेक, एमबीए, बीएसई, बीएड् और बीकॉम जैसे प्रोफेशनल डिग्रीधारी युवक/युवतियॉ शामिल हैं। इस बैच में निर्धारित शैक्षिक योग्यता के अलावा 2 प्रशिक्षणार्थी एमएससी, 27 एमए, 10 एमकॉम, 1 एमबीए, 7 बीटेक, 21 बीएड्, 35 बीएसई, 20 बीकॉम, 32 बीसीए, 22 बीबीए तथा 791 स्नातक तक की शिक्षा प्राप्त हैं। प्रशिक्षणार्थियों में 971 हरियाणा, 744 राजस्थान, 550 उत्तर प्रदेश, 244 दिल्ली, 4 उत्तराखण्ड, 3 बिहार, 2 पंजाब, 2 केरल तथा 1 हिमाचल प्रदेश राज्य के रहने वाले हैं।

प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न कलाओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को **माननीय उपराज्यपाल श्री नज़ीब जंग** ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। जिनमें प्रशिक्षु महिला सिपाही मीनू (सर्वश्रेष्ठ प्रथम), प्रशिक्षु सिपाही प्रीतम सिंह (कानून में प्रथम) प्रशिक्षु सिपाही रविन्द्र (परेड़ में प्रथम), प्रशिक्षु सिपाही आशीष व प्रशांत सोलंकी (फायरिंग) तथा प्रशिक्षु सिपाही रितेश कुमार (पी.टी व कमांड़ों में प्रथम) शामिल हैं।









अच्छी तफ्तीश

अपराध शाखा व रोहतक की पुलिस टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए कुख्यात बदमाश मनोज मोरखेड़ी गैंग के चार शार्प शूटर शस्त्र सहित गिरफ्तार किये



अपराध शाखा के **अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस श्री भीष्म सिंह** के नेतृत्व में **एसीपी होशियार सिंह, इंस्पेक्टर दिग्विजय सिंह, संजीव मल्होत्रा, एसआई अरूण देव** की टीम ने रोहतक पुलिस की सीआईए टीम के साथ मिलकर एक सूचना पर कार्यवाही करते हुए कुख्यात बदमाश मनोज खेड़ी गिरोह के चार शार्पशूटरों जगदीप उर्फ दीपक, संदीप, अनिल कुमार व राज कमल को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। अपराध शाखा की एंटी –एक्सटोर्शन सेल को सूचना मिली थी कि मनोज मोरखेड़ी गिरोह के चार शार्पशूटर 13 जुलाई को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक में लॉ एंट्रेस टेस्ट की परीक्षा देने के लिए आने वाले एक छात्र प्रवीण उर्फ टोनी की हत्या की वारदात को अंजाम देंगे। इस संबंध में **अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (अपराध) श्री रविन्द्र यादव** ने संवाददाताओं को बताया कि अपराध शाखा की टीम ने तत्काल रोहतक सीआईए को इस सूचना से अवगत कराया। **अति0उपा0पुलिस श्री भीष्म सिंह तथा रोहतक पुलिस के एसपी विवेक शर्मा** के नेतृत्व में दोनों पुलिस टीमों ने विश्वविद्यालय परिसर के पास निगरानी रखनी शुरू कर दी। पुलिस टीमों को जब इन बदमाशों को आने का संकेत मिला तो इन बदमाशों को दबोचने का प्रयास किया। परन्तु हथियारों से लैस इन बदमाशों पर ताबड़तोड़ फायरिंग करते हुए परिसर में प्रवेश करने का प्रयास किया। पहले से ही सतर्क पुलिस टीम ने चारों को मौके से दबोच लिया। परन्तु इस कार्यवाही में हरियाणा पुलिस के हैडकां0 संदीप बदमाशों की गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस टीम को जानकारी मिली थी कि तिहाड़ जेल में बंद बदमाश मनोज अपने बदमाशों के माध्यम से दिल्ली व हरियाणा के बिल्डिरों से रंगदारी वसूल करता है। गिरोह सरगना मनोज मोरखेड़ी 20 से ज्यादा संगीन वारदातों में वांछित था और उसे इसी वर्ष 20 अप्रैल को अलीपुर के निकट से एक मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया था।

एक लाख के इनामी बदमाश नीरज बवानियां को दबोचने वाले कां. प्रवीण को बारी से पहले तरक्की देकर पुरस्कृत किया गया

पुलिस मुख्यालय द्वारा 17 जून, 2013 को जारी एक आदेशानुसार बाहरी जिला में तैनात **कां0 प्रवीण** को बारी से पहले तरक्की देकर हैडकां0 बनाया गया है। कां प्रवीण ने अपने उत्साह, बहादुरी और त्वरित कार्रवाही के बल पर एक कुख्यात बदमाश नीरज बवानियॉ को दबोचने तथा उसके कब्जे से चार कारतूसों से भरी पिस्टल बरामद करने में अभूतपूर्वक सफलता अर्जित की थी। 5 संगीन वारदातों में शामिल इस बदमाश की गिरफ्तारी पर दिल्ली पुलिस ने एक लाख रूपये का पुरस्कार घोषित किया हुआ था।

चार मासूमों की जान बचाने वाले हैडकां. वेदप्रकाश की सूझबूझ बहादुरी व त्वरित कार्यवाही को स्थानीय लोगों ने तहेदिल से सराहा



दक्षिण–पूर्वी जिला के थाना गोविंदपुरी में तैनात **हैडकां0 वेदप्रकाश** ने अपनी अच्छी सूझबूझ, त्वरित कार्यवाही और बहादुरी से हाईटेंशन वायर की चपेट में आए चार मासूम बच्चों को मौत के मुंह से निकालने कर अपनी कर्तव्यनिष्ठा का शानदार उदाहरण प्रस्तुत किया है। हैडकां. ने न केवल बिजली की वायर की चपेट में आए बच्चों को बाहर निकाला बल्कि चारों को अतिशीघ्र अस्पताल पहुंचा कर समय पर उपचार शुरू कराने में भी यथासंभव मदद की। एक पुलिसकर्मी को ऐसी निस्वार्थ और निष्ठापूर्वक कार्यवाही करते देख स्थानीय लोगों ने तहेदिल से दिल्ली पुलिस की प्रंशसा और आभार जताया। घटना वाली शाम तेज ठंडी हवाएँ चल रही थी कि तुगलकाबाद एक्सटेंशन के मुख्य मार्ग पर चार बच्चे डेकोरेशन के काम आने वाली पन्नियॉ हवा में उड़ा रहे थे कि उनकी पन्नियॉ हाईटेंशन तार में जा चिपकी और जोरदार धमाका हुआ जिसकी चपेट में चार बच्चे आ गए। उसी समय अपनी मोटरसाइकिल से गुजर रहे हैडकां0 वेदप्रकाश ने धमाके की और बच्चों के चिल्लाने की आवाज सुनी। हैडकां0 वेदप्रकाश ने तत्काल अपनी मोटरसाइकिल रोकी और तुरंत छत पर पहुंच कर तार की चपेट में आए बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। तुरंत 100 नम्बर पर और एम्बूलेंस में टेलीफोन किया और बच्चों को ऑटो में लेकर सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया। पीसीआर व स्थानीय पुलिस भी तत्काल मौके पर पहुंची और वेदप्रकाश की मदद में हाथ बंटाया। चारों घायल बच्चे अस्पताल में उपचाराधीन थे। एसीपी कालकाजी श्री वीरेन्द्र सिंह कालिया भी तत्काल पर पहुंचे और वेदप्रकाश की प्रंशसा करते हुए उसे समुचित पुरस्कार से सम्मानित किये जाने की संस्तुति की।

गलती से बैग बदलने पर मिले लाख रूपये भी कां. अनिल का जमीर न हिला सका

30 मई, 2013 को चतुर्थ वाहिनी मे तैनात **कां0 अनिल कुमार भाटी** व पीसीआर में तैनात उसका साथी **कां0 रणबीर सिंह** सुबह के समय दादरी से शाहदरा आ रही ईएमयू रेलगाड़ी में सवार हुए। कां0 अनिल कुमार शाहदरा रेलवे स्टेशन पर उतरे और अपने बैग को सुरक्षा जॉच के लिए स्कैनर पर रख दिया। सुरक्षा जॉच के दौरान अनिल को महसूस हुआ कि उतरते समय असावधानीपूर्वक उसका बैग किसी सहयात्री के बैग से बदल गया है। कां0 अनिल ने उसी समय काफी प्रयास किया कि बैग का असली मालिक उसे मिल जाए। परन्तु काफी प्रयासों के बाद बैग का असली मालिक नहीं मिल पाया तो उसने बैग को खोल कर देखा कि उसमें एक लाख, तीन सौ रूपये नगद व कुछ कागजात रखे हुए हैं। कां. अनिल कुमार भाटी नई पुलिस लाइन स्थित अपने कार्यालय पहुंच कर इमानदारी का परिचय देते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को बैग बदलने और उसमें रखी रकम के बारे बताया। कां. अनिल व कां. रणबीर सिंह ने पुनः बैग के सही मालिक के बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास किया और आखिरकार दोनों अपने प्रयास में सफल हुए। बैग मालिक श्री किशनबीर सिंह के बारे में पता लगने पर दोनों कां. ने वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में सही मालिक को बैग सौंप दिया। श्री किशनबीर सिंह ने दोनों सिपाहियों की इमानदारी के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया। दोनों सिपाहियों को उनकी इमानदारी के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा पुरस्कृत किया जा रहा है।

अच्छी कामयाबी

मुम्बई व दिल्ली में क्रेडिट कार्ड होल्डर के डाटा चोरी कर करोड़ों का फर्जीवाड़ा करने वाला नई दिल्ली जिला पुलिस की हिरासत में

नई दिल्ली जिला में एसीपी कनाट प्लेस के नेतृत्व में **इंस्पेक्टर सुनील कुमार, एसआई लव आत्रे, एसआई सुरेन्द्र शर्मा, एसआई कुलदीप कुमार, एसआई बद्री प्रसाद** की टीम ने क्रेडिट कार्ड होल्डर से उसका डाटा चोरी कर करोड़ों रूपये का फर्जीवाड़ करने वाले राजू तेवर नामक युवक को अम्बरनाथ, पश्चिमी थाणे मुम्बई, महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है। इस संबंध में उपायुक्त पुलिस नई दिल्ली जिला श्री एसबीएस त्यागी ने संवाददाताओं को बताया कि कनॉट प्लेस स्थित एक कार्यालय में काम करने वाली महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि किसी शख्स ने फोन कर उससे कहा कि वह आईसीआईसीआई बैंक से बोल रहा है। आपके क्रेडिट कार्ड से गलत ट्रांजेक्शन किया गया है। इसीलिए बैंक आपके कार्ड को ब्लॉक कर रहा है, नहीं तो आपके साथ बड़े पैमाने पर ठगी हो सकती है। इसके लिए उसने उस महिला से क्रेडिट कार्ड नम्बर व पासवर्ड मांग लिया। डिटेल दिये जाने के कुछ देर बाद ही महिला के मोबाइल पर मैसेज आया कि उनके कार्ड से लगभग 45 हजार रूपये का भुगतान किया गया है। पुलिस द्वारा जांच किये जाने पर पता कि महिला के कार्ड से बिजली का बिल व मोबाइल का बिल इंटरनेट के जरिये ऑनलाइन अदा किया गया। इसके साथ ही पुलिस को छानबीन के दौरान अभियुक्त के बारे में पता चला कि वह अंबरनाथ, थाणे, मुम्बई में रह रहा है। आवाज बदलकर बात करने में माहिर इस व्यक्ति ने स्वयं को आईसीआईसी आई बैंक का कर्मी बतला कर लोगों से ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) हासिल कर लेता और उसी पासवर्ड से 10 प्रतिशत की छूट देकर लोगों की बिल अदा कर देता। इसी तरह अभियुक्त ने लगभग 30 हजार उपभोक्ताओं को अपने फर्जीवाड़े का शिकार बनाते हुए लगभग 1.2 करोड़ रूपये की ठगी को अंजाम दिया। आधुनिक तकनीक, इल्क्ट्रोनिक सर्विलांस और सूचनाओं की कड़ियों को जोड़ते हुए पुलिस टीम अभियुक्त तक पहुंचने में सफल हुई।

फिल्मी तर्ज पर 50 लाख की फिरौती मांगने वाला पूर्व कर्मचारी अपने साथी सहित पुलिस गिरफ्त में

पूर्वी जिला में **एसीपी गांधी नगर डॉ0 रशमी शर्मा के नेतृत्व में इंस्पेक्टर विजय कुमार की टीम एसआई अमित प्रताप सिंह, कां0 अंकुर, कां0 नवीन, कां0 धर्मेन्द्र,कां0 कपिल** ने 14 जुलाई को दो ऐसे व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है जिन्होंने इलाके में नर्सिंग होम चलाने वाले एक डॉ0 को जान से मारने की धमकी देकर 50 लाख की रूपये की मांग की थी। 11 जुलाई को लक्ष्मी नगर व गांधी नगर इलाके में दो नर्सिंग होम चलाने वाले डॉ0 त्रिलोक अग्रवाल को एक पीसीओ से कॉल आई कि उनके नर्सिंग होम के सामने लगे बिजली के खम्भें में पर एक पत्र बंधा है। केवल उसे पढ़ ले। डॉ0 अग्रवाल ने जब पत्र पढ़ा तो उसके होश उड़ गये। चूंकि पत्र में 50 लाख की रंगदारी देने की धमकी दी गई थी। डॉ0 ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की संवेदनशीलता देखते हुए पूरी ऐतिहात बरतते हुए धमकी देने वाले और शिकायकर्ता के बीच संवाद जारी रखवाया। कॉलर ने डॉ0 को पुनः टेलीफोन कर लाल किला के सामने गौरी शंकर मंदिर पर बुलाया। सादी वर्दी में पुलिस आसपास ही मंडरा रही थी। परन्तु वहॉ कोई नहीं मिला। इसी बीच पुनः कॉल आई कि मोती सिनेमा के सामने एक लड़का एक पर्ची जिस पर डीबीसी ट्रांसपोर्ट लिखा हुआ है और उसके सिर पर रूमाल बंधा हुआ है। जब शिकायकर्ता एक खाली कागज का बॉक्स लेकर मोती सिनेमा के निकट पहुंचा तो वहॉ उसे उस हुलिया का लड़का मिला। लड़के ने जैसे ही बॉक्स पकड़ा। पुलिस टीम ने उसे तत्काल दबोच लिया। पूछताछ पर उसने हरसंभव पुलिस को बरगलाने की कोशिश की। परन्तु पुलिस टीम ने जब पेशेवर तरीके से विश्वास में लेकर बात की तो उसने बताया कि इस मामले के अंजाम देने वाले मुख्य अभियुक्त गोनू सिंह है, लगभग एक वर्ष पूर्व डॉ0 के कम्पांडर का काम कर चुका था। पूछताछ पर गोनू सिंह ने पुलिस को बताया कि उसे जानकारी थी कि डॉ त्रिलोक अग्रवाल काफी धनी है और उससे आसानी से रकम वसूली जा सकती है। पुलिस टीम की सफल कार्यवाही की वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने प्रंशसा की।

अवैध हथियारों के एक बड़े ज़खीरे में 99 आधुनिक पिस्टल व मैगज़ीन बरामद करने में विशेष प्रकोष्ठ की शानदार सफलता

विशेष प्रकोष्ठ के **एसीपी श्री एस.के.गिरी** के नेतृत्व में **इंस्पेक्टर शिव कुमार** की टीम ने 16 जुलाई को शास्त्री पार्क इलाके से दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध हथियार बरामद करने में शानदार सफलता पायी है। इस संबंध में **विशेष पुलिस आयुक्त श्री एस.एन.श्रीवास्तव एवं उपायुक्त पुलिस स्पेशल सेल श्री संजीव कुमार यादव** ने 17 जुलाई, 2013 को संवाददाताओं को विस्तार से बताया कि पुलिस आयुक्त ने एक मीटिंग के दौरान इस बात पर विशेष जोर दिया कि मेरठ, कानपुर, इलाहाबाद व अन्य जगहों से दिल्ली में आ रहे अवैध हथियारों के बारे में जानकारी हासिल करें और उस पर अंकुश लगाए इसी दिशा में दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा व स्पेशल सेल काफी दिनों से काम कर रही थी। हालांकि इसमें दोनों टीमों ने कई बार अच्छी सफलता हासिल करते हुए मुंगेर बिहार से दिल्ली में सप्लाई होने वाले अवैध हथियार बरामद कर इसमें संलिप्त बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि निरंजन मिश्रा और मोहम्मद फिरोज आलम नामक दो व्यक्ति दिल्ली में सप्लाई करने के उद्देश्य से भारी मात्रा में अवैध हथियार एक एम्बेसडर कार में लेकर आएंगें। पुलिस टीम ने नार्थन इंडिया इंजीनियरिंग कॉलेज, शास्त्री पार्क के निकट से कार को रोक कर उसमें सवार दोनों बदमाशों को 99 पिस्टलों सहित गिरफ्तार करने में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की। जॉच के दौरान पता चला कि बदमाशों ने ये अवैध पिस्टल कार की हैडलाइट के पीछे विशेष तौर पर बनाई गई जगह पर छिपाई गई थी। इन बदमाशों ने ही कुछ दिन पहले मुजफ्फर नगर में किसी व्यक्ति को 85 अवैध पिस्टल सप्लाई की थी। 14/15 जुलाई को ये दोनों बदमाश मेरठ व दिल्ली में हथियार सप्लाई करने के उद्देश्य से निकल थे परन्तु भारी वर्षा के कारण मेरठ में हथियार की सप्लाई नहीं कर सके। जिसे बाद में ये लोग दिल्ली में सप्लाई करने के उद्देश्य से हथियारों को दिल्ली लाए थे। गिरफ्तार अभियुक्त बिहार के मुंगेर जिले से 15 से 18 हजार रूप्ये में अवैध पिस्टल खरीद कर उन्हें 20 से 22 हजार तक अन्य लोगों को सप्लाई करते थे। पुलिस गिरफ्तार अभियुक्तों से अवैध हथियारों को निर्मित करने वाली फैक्ट्री, उनको खरीदने वाले बदमाशों और अन्य स्रोत्रों का पता लगाने में जुटी थी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा इस जाबांज पुलिस टीम की प्रंशसा की।

अपराध शाखा की टीम ने संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद 50 हजार के इनामी बदमाश सुनील उर्फ फंडी को धर-दबोचने में सफलता पायी

अपराध शाखा के **इंस्पेक्टर सतबीर सिंह व एसआई देवेन्द्र कुमार** की टीम ने हत्या, हत्या के प्रयास, लूटपाट व डकैती जैसी संगीन दर्जनों वारदातों में शामिल 50 हजार के इनामी बदमाश सुनील कुमार उर्फ फंडी उर्फ बंटी को एक संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद दबोचने में शानदार सफलता अर्जित की है। अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (अपराध) श्री रविन्द्र कुमार यादव ने संवाददाताओं को बताया कि वर्ष 2010 से पैराल तोड़ कर फरार रहे इस कुख्यात बदमाश के बारे में 24 जून को पुलिस को सूचना मिली थी कि प्रगति पावर स्टेशन के निकट अपने किसी साथी से मिलने आ रहा है। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाही करते हुए घेराबंदी कर बदमाश को समर्पण करने के लिए कहा। परन्तु इस बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए भाग कर अपनी गाड़ी में बैठने का प्रयास किया । परन्तु पहले से ही सतर्क पुलिस टीम ने विफल कर दिया। जे.जे. कॉलोनी, अशोक विहार के रहने वाले इस बदमाश के कब्जे से पश्चिमी विहार से चुराई गई कार और यूएस निर्मित .32 बोर की पिस्टल और चार जिंदा कारतूस बरामद करने में भी सफलता मिली। कई संगीन व घृणित वारदातों में शामिल रहे इस बदमाश को वर्ष 2006 में सराय रोहिल्ला इलाके में हुई हत्या की एक वारदात में उम्रकैद की सजा हो चुकी थी। पुलिस टीम की इस निर्भीक और दिलेरी से भरी कार्यवाही को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने काफी सराहा।

सेवानिवृति : 30 जून व 31 जुलाई 2013 को सेवानिवृत वरिष्ठ पुलिस अधिकारी

दिल्ली पुलिस परिवार सेवानिवृत हुए सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अच्छे स्वास्थ्य व दीर्घायु की कामना करता है।



अति.उपा.पु. श्री के.एन. हरिदासन



ए.सी.पी श्री भूपसिंह शौकीन



ए.सी.पी श्री रामपाल सिंह



ए.सी.पी श्री बाबूलाल गौतम



ए.सी.पी श्रीमती रीटा भसीन



ए.सी.पी श्री धर्मवीर जोशी



ए.सी.पी श्री राजकुमार



ए.सी.पी श्री बाबूलाल



ए.सी.पी श्री सतबीर सिंह



ए.सी.पी श्री राजेन्द्र सिंह बख्शी



ए.सी.पी श्रीमती सुरेन्द्र कुमारी



ए.सी.पी श्री हरीसिंह बिष्ट

पूर्व केन्द्रीय गृह सचिव श्री आर.के. सिंह के सम्मान में पुलिस मुख्यालय में संक्षिप्त विदाई समारोह



30 जून, 2013 को सेवानिवृत हुए **गृह सचिव श्री आर.के. सिंह** के सम्मान में 1 जुलाई को पुलिस मुख्यालय में एक संक्षिप्त समारोह आयोजित किया गया। जिसमें दिल्ली पुलिस के अधिकांश वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर तत्कालीन **पुलिस आयुक्त श्री नीरज कुमार** ने श्री राजकुमार सिंह को पुलिस स्मृति चिन्ह और पुष्पगुच्छ देकर ससम्मान विदाई दी।







उपायुक्त पुलिस अति.उपा. पुलिस **श्री देवेन्द्र आर्य** एवं अति.उपा. पुलिस **श्रीमती विजेता आर्य** के दिल्ली पुलिस से अरूणाचल प्रदेश में स्थानांतरित होने पर पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने उनको नए दायित्व की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। इसी अवसर पर दिल्ली से स्थानांतरित हुए उपा. पुलिस **श्री एम.एन तिवारी** को भी पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं दीं।

स्थानांतरण एवं पदोन्नति सम्बंधित खबरें

28 जून, 2013 को पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी स्थानांतरण आदेश

श्रीमती वर्षा शर्मा अति0उपा0पुलिस लाइसेंसिंग से अति0 उपा0 पुलिस विशेष शाखा

श्री ए.के.लाल अति0उपा0पुलिस बाहरी जिला से अति0उपा0पुलिस सतर्कता शाखा

श्री बी.एल. सुरेश अस्थाई प्रभार अति0उपा0पुलिस विशेष शाखा से अस्थाई प्रभार अति0उपा0पु. बाहरी जिला

24 जुलाई, 2013 को जारी स्थानांतरण आदेश

श्री एम.एम. ओबराय संयुक्त पुलिस आयुक्त स्पेशल सेल से संयुक्त पुलिस आयुक्त (लाइसेंसिंग)

श्री अतुल कटियार पुदुचेरी से दिल्ली स्थानांतरित होने पर अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (शस्त्र पुलिस)

श्री संग नोरबू मोसोबी अरूणाचल प्रदेश से दिल्ली में स्थानांतरित होने पर उपायुक्त पुलिस (सुरक्षा)

श्री मंदीप एस. रंधावा दिल्ली से स्थानांतरित होने पर अति.उपा.पुलिस–11, (नई दिल्ली जिला)

श्री मंगेश कश्यप अति.उपा.पुलिस–11, नई दिल्ली जिला से अति.उपा. पुलिस (आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ)

श्री आसिफ मोहम्मद अली अति.उपा.पुलिस पूर्वी जिला से उपायुक्त पुलिस द्वितीय वाहिनी

30 जुलाई, 2013 को जारी स्थानांतरण आदेश

श्री के.जगदीशन केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति से वापिस आने पर अतिरिक्त आयुक्त पुलिस सुरक्षा

श्री पी.करूणाकरण उपायुक्त पुलिस उतर–पश्चिमी जिला से उपायुक्त पुलिस दक्षिण–पूर्वी जिला

श्री गनाशमबंदन अरूणाचल प्रदेश से स्थानांतरित होने पर उपायुक्त पुलिस उतर–पश्चिमी जिला

श्री मंदीन एस.रंधावा अति0उपा0,नई दिल्ली जिला से अति.उपा0पुलिस –1 पूर्वी जिला

श्री जगजीत सिंह देशवाल उपायुक्त पुलिस आईजीआई एयरपोर्ट से **एस.ओ.टू सी.पी.**

श्री दिनेश कुमार गुप्ता अति.उपा.पुलिस पूर्वी जिला से अति.उपा.पुलिस नई दिल्ली जिला

श्री मोहम्मद इरशाद हैदर एस.ओ.टू सीपी से उपायुक्त पुलिस आईजीआई एयरपोर्ट

पदोन्नति

बधाई हो! 35 इंस्पेक्टर (कार्यकारी) पदोन्नत होकर एसीपी बने

8 जुलाई, 2013 को पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी एक परिपत्र के अनुसार 35 इंस्पेक्टर को पदोन्नति देकर उन्हें तदर्थ आधार पर एसीपी पद के दायित्व सौपें गये हैं। पदोन्नति पाने वाले इंस्पेक्टरों में शामिल हैं : श्री शिव दयाल, श्री आनन्द प्रकाश, श्री पुष्कल शर्मा, श्री अश्वनी कुमार, श्री अभिरूप बनर्जी, श्री राजकुमार, श्री राजेन्द्र प्रसाद, श्री देवेन्द्र सिंह, श्री ओमप्रकाश, श्री संजीव कुमार, श्री कैलाश चन्द्र, श्री रविन्द्र कुमार त्यागी, श्री उमेश सिंह,श्री कैलाशचन्द्र, श्री रमेश चन्द्र, श्री सोमेन्द्र पाल त्यागी, श्री आनन्द कुमार, श्री राजेन्द्र प्रसाद आर्य, श्री दुर्गा प्रसाद जोशी, श्री नरेन्द्र सिंह, श्री राजेन्द्र प्रसाद, श्री विक्रम सिंह राणा, श्री नरेन्द्र चावला, श्री राजेन्द्र प्रसाद, श्री दिनेश तिवारी, श्री जयकिशन, श्री लख्मीचंद यादव, श्री स्वर्ण कुमार शर्मा, श्री राजेन्द्र किशोर ओझा, श्री यतेन्द्र कुमार, श्री हर सुरेन्द्रपाल सिंह, श्री रणबीर सिंह, श्री राधा रमण, श्री अरूण कुमार, श्री राम कुमार राठी तथा श्री राजेश कुमार शर्मा।

8 आशुलिपिक इंस्पेक्टर पद पर पदोन्नत

पुलिस मुख्यालय द्वारा 31 जुलाई को जारी के एक आदेशानुसार 8 एस.आई. (स्टेनो) को पदोन्नति देकर इंस्पेक्टर बनाया गया है। इनमें श्री दर्शन मनोचा, श्री संजीव सहगल, श्री अजय कतियाल, श्री पदमेन्द्र सिंह रावत, श्रीमती सोनिया कौशल, श्रीमती संतोष रामरख्यानी, श्रीमती जसविन्द्र कौर तथा श्रीमती जगजीत कौर शामिल हैं।

8 एसआई फिंगर प्रिंट इंस्पेक्टर पद पर पदोन्नत

31 जुलाई 2013 को पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी एक आदेशानुसार 8 एसआई फिंगर प्रिंट को तदर्थ आधार पर इंस्पेक्टर पद पर पदोन्नत किया गया है। पदोन्नति पाने वालें में शामिल हैं : श्री अमरपाल वर्मा, श्री रविन्द्र सिंह यादव, श्री नरेश कुमार वर्मा, श्री रविन्द्र कुमार केन, श्री श्योराज सिंह, श्री रबिन्द्र नाथ रावत, श्री कामाख्या नारायण तथा श्री अवधेश कुमार।

29 जुलाई, 2013 को जारी आदेशानुसार **233 एएसआई (कार्यकारी महिला)** को पदोन्नति देकर **एसआई** (महिला) बनाया गया है। 31 जुलाई को जारी परिपत्र के अनुसार 107 है.कां. (मिनिस्ट्रीयल) को एएसआई और 342 एएसआई (मिनिस्ट्रीयल) को एसआई के पद पर पदोन्नत किया गया है।

पुलिस मुख्यालय द्वारा 10 जुलाई, 2013 को जारी एक परिपत्र के अनुसार लिपिकीय वर्ग के 19 एएसआई को दिनांक 05.07.2013 से प्रभावित ई–लिस्ट दी गई हैं। इन 10 एएसआई में 7 को एसआई पद पर पदोन्नत कर दिया गया है। पिछले दिनों **460 कांस्टेबल (कार्यकारी पुरूष) 09 महिला कांस्टेबल** को हैडकांस्टेबल पद पर पदोन्नत किया गया है।

श्रद्धांजलि

माह अप्रैल, मई व जून, 2013 के दौरान विभिन्न कारणों से दिल्ली पुलिस के 50 कर्मियों की सेवाकाल के दौरान ही असमय मृत्यु हो गई। असमय बिछुड़ गये अपने इन दिवंगत साथियों को श्रृद्धा सुमन अर्पित करता है और उनके आश्रितों के प्रति पुलिस परिवार अपनी गहरी संवेदना प्रकट करता है। **अप्रैल माह के दौरान दिवंगत पुलिसकर्मी**:– एसआई रणदत (पीसीआर), एसआई नरेन्द्र सिंह (पश्चिमी जिला), एसआई भारत भूषण (बाहरी जिला), हैडकां0 सुरेन्द्र सिंह (पश्चिमी जिला), हैडकां0 दलेराम (उतर जिला), हैडकां0 बलजीत सिंह (दक्षिण–पश्चिमी जिला), हैडकां0 बलजीत सिंह (दक्षिण–पश्चिमी जिला) हैडकां0 रविन्द्र कुमार (सुरक्षा) कां0 सुदेश (उतरी जिला), कां0 ओमबीर सिंह (बाहरी जिला), कां0 मंजीत सिंह (सातवीं वाहिनी), एमटीएस मनीष कुमार (बाहरी जिला) तथा कुक दीवान सिंह (उतर–पूर्वी जिला)। **मई माह के दौरान दिवंगत पुलिसकर्मी**:– इंस्पेक्टर बदरीश दत्त (विशेष शाखा), एसआई विजेन्द्र कुमार, एसआई रामनिवास, हैडकां0 रामकुमार, हैडकां0 रमेश कुमार, कां0 दिनेश कुमार व कां0 कृष्ण कुमार (सुरक्षा), एएसआई अजीत सिंह, हैडकां0 राम सिंह, हैडकां0 जितेन्द्र कुमार तथा कां0 अरूण कुमार उपाध्याय (पीसीआर) एएसआई जयभगवान (बाहरी जिला) कां0 महाबीर सिंह व कां0 अनिल कुमार (उतर–पश्चिमी जिला) एएसआई राकेश कुमार व कां0 दीयोनिती कुमार (प्रथम वाहिनी), एसआई कांता प्रसाद (पूर्वी जिला), हैडकां0 कृष्ण कुमार (उतर–पश्चिमी जिला), हैडकां0 मोहिन्द्र सिंह (दक्षिण–पूर्वी जिला), कां0 विनोद कुमार (आईजीआईएयरपोर्ट), कां0 राकेश कुमार (पश्चिमी जिला), कां0 सुरेश कुमार (अपराध शाखा), कां0 महेश कुमार (यातायात) कुक बीरबहादुर (उतरी जिला)। **जून माह के दौरान दिवंगत पुलिसकर्मी** :–इंस्पेक्टर सोहन दास, एएसआई नूर मोहम्मद, हैडकां0 दुजेन्द्र कुमार, कां0 वेदप्रकाश (दक्षिण–पूवी जिला), हैडकां0 लक्ष्मण सिंह (प्रथम वाहिनी), हैडकां0 राज पाल व कां0 चन्द्रबीर सिह (पीसीआर), कां0 पूर्ण सिंह (पश्चिमी जिला), हैडकां0 निरंजन व कां0 कपिल देव (सातवीं वाहिनी), कां0 हनुमान सिंह ढ़ाका (सुरक्षा), कां0 नीरज कुमार (यातायात) तथा कां0 दिनेश कुमार (उतरी जिला)।

143 दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों को अनुकम्पा के आधार पर विभिन्न पदों पर पुलिस परिवार में भर्ती

11 जून, 2013 को पुलिस मुख्यालय में सम्पन्न हुई Establishment Board की बैठक में 143 दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों को अनुकम्पा के आधार पर दिल्ली पुलिस परिवार में शामिल किया गया है। इनमें 10 पद हैडकां0 (मिनिस्ट्रीयल), 06 पद कां0 (चालक), 108 कां0 (कार्यकारी पुरूष) तथा 19 पद कां0 (कार्यकारी महिला) के शामिल हैं।

हमारे प्रतिभाशाली नौनिहाल

वर्ष 2013 में आयोजित बोर्ड परिक्षाओं में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले दिल्ली पुलिस परिवार से जुड़े कुछ प्रतिभाशाली छात्र-छात्राएं



गुरूकीरत सिंह
सुपुत्र
एस.आई. कंवलजीत सिंह



गज़ाला नूर सुपुत्री
है.कां. एम.आई.एच. खान



दीपांकर दीक्षित सुपुत्र
इं. अनिल कुमार



सुधाशुं खन्ना सुपुत्र
ए.एस.आई. ब्रिजबाला



अफ्साना सुपुत्री
कां. शकील हुसैन



ज्योति सुपुत्री
कां. रविन्द्र कुमार



अंशु यादव सुपुत्री
है.कां. सत्यप्रकाश



मोनिका सुपुत्री
है.कां. रामकुमार



शीतल गहलौत सुपुत्री
ए.एसआई लोडर सिंह

अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित आई.आई.टी प्रवेश परीक्षा में कां0 राधेश्याम के सुपुत्र आशीष कुमार ने पाया 112 वां स्थान



आशीष कुमार

किसी भी छात्र के जीवन में उसकी एकाग्रता, अनुशासन और निरंतरता सफलता का मूलमंत्र होता हैं। यदि कोई छात्र गंभीरता के साथ इन बिंदुओं पर अमल करता है तो निश्चित सफलता उसके कदम चूमती हैं। अपनी ऐसी ही धारण बना कर पुलिस परिवार से जुड़े एक छात्र आशीष कुमार ने आई.टी.आई में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने के लिए इन बिंदुओं पर अपना ध्यान केन्द्रित किया। जिसमें उसे शानदार सफलता भी मिली। पूर्वी जिला के बम डिस्पोज़ल टीम में तैनात कां0 राधेश्याम के सुपुत्र आशीष कुमार ने ऑल इंडिया स्तर पर 112 वां स्थान प्राप्त किया जबकि अपने पिछड़ा वर्ग में 7 वां और अपने गृहराज्य हरियाणा में दूसरा। आशीष कुमार ने बताया कि मैने हमेशा उपरोक्त बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए अपनी पढ़ाई की परन्तु इसके साथ–साथ मैंने सदैव अपने माता– पता के कठिन परिश्रम, उनकी आकांक्षाओं और अपने प्रति उनके समर्पित भाव को भी अपने जहन में रखा।



प्रकाश तिवारी

इसके अलावा पीसीआर में तैनात एएसआई भरतलाल के सुपुत्र प्रकाश तिवारी ने भी शहरों की चकाचौंध से दूर मथुरा के निकट एक छोटे से गांव भोरगढ़ में शिक्षा ग्रहण करते हुए, आईआईटी प्रवेश परीक्षा में 1667 रैंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। आईटीआई कानपुर में केमिकल इंजीनियरिंग में प्रवेश लेने वाले प्रकाश तिवारी का इरादा है कि संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा में सम्मिलित होकर प्रशासनिक सेवाओं के लिए श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करूं। प्रकाश तिवारी का कहना है कि मैं अपने परिवार के सीमित संसाधनों को सदैव अपने दीमाग में रखकर अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, निरंतर अभ्यास और परिजनों के आशीर्वाद से सफलता के शिखर को छूना चाहता हूँ। भरतलाल ने न केवल अपने दोनो सुपुत्रों को उच्च शिक्षा दिलाई है बल्कि अपनी दोनों पुत्रियों को भी उच्च शिक्षा दिला कर उनके उज्ज़वल भविष्य बनाने में अह्म भूमिका निभाई है।

नए ट्रैफिक पार्क का उद्घाटन



20 जुलाई, 2013 को होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया लिमिटेड व दिल्ली पुलिस के संयुक्त रूप प्रयासों से रोशनआरा रोड़ पर तैयार ट्रैफिक पार्क का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर तत्कालीन पुलिस आयुक्त श्री नीरज कुमार, विशेष पुलिस आयुक्त श्री ताज हसन, अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री अनिल शुक्ला, स्कूली बच्चे, स्थानीय नागरिक एवं पुलिसकर्मियों के अलावा होंडा मोटरसाइकिल स्कूटर की सी.ई.ओ श्री केतिया मुरामात्सु व वाइस चेयरमैन श्री वाई.एस गुलेरिया उपस्थित थे। 2.06 एकड़ में बने इस ट्रैफिक पार्क में यातायात नियमों से जुड़ी हर प्रकार की पाठ्य सामग्री, सांकेतिक संकेत, मॉडल्स् व सड़क सुरक्षा एवं प्रशिक्षण से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई गई है। हीरों मोटरसाइकिल एवं स्कूटर लिमिटेड द्वारा पिछले 6 माह के अंतराल में यह दूसरा ट्रैफिक प्रशिक्षण पार्क तैयार किया गया है। इससे पहले जयपुर में तैयार किये गये ट्रैफिक पार्क में अब तक 7 हजार से ज्यादा नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जा चुका है। सभी आयुवर्ग के नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने, प्रशिक्षित करने, उनकी महत्ता को समझाने, अपनी एवं दूसरों की सुरक्षा के प्रति सचेत करने के लिए यह ट्रैफिक पार्क काफी लाभदायक सिद्ध होगा। इस अवसर पर होंडा मोटरसाइकिल एवं स्कूटर लिमिटेड कम्पनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि हमने अपनी सामाजिक जिम्मेवारियों को समझते हुए वर्ष 1970 में पहला ड्राइविंग सेफ्टी प्रमोशन सेंटर जापान में स्थापित किया था। उसके बाद दुनिया के विभिन्न हिस्सों में दिल्ली सहित अब तक 36 ऐसे सेंटर खोलने के साथ–साथ उनकी देखरेख कर रहे हैं।



104 कबूतरों की चोरी



इतिहास के पन्नों से

मुकदमा सं. 11, धारा 380 भा.द.सं., दिनांक 24.01.1895 थाना – नांगलोई

संक्षिप्त तथ्य : राम चंद्र वल्द मनोहर लाल ने शिकायत दर्ज कराई कि रात को 2 आदमी उसके 104 कबूतर चुरा कर ले गये। उसने उन्हें पकड़ने की कोशिश की मगर वे भाग गए। उसे शक है कि इस चोरी में उसके पुराने नौकर कुतबुद्दीन का हाथ है क्योंकि उसे घर के बारे में सब पता था।

नतीजा : अन्ट्रेस

कलकल

सम्पादकः जन-सम्पर्क अधिकारी, दिल्ली पुलिस राजन भगत एवं सह-सम्पादकः उप-नि. सतबीर सिंह। पुलिस मुख्यालय नई दिल्ली